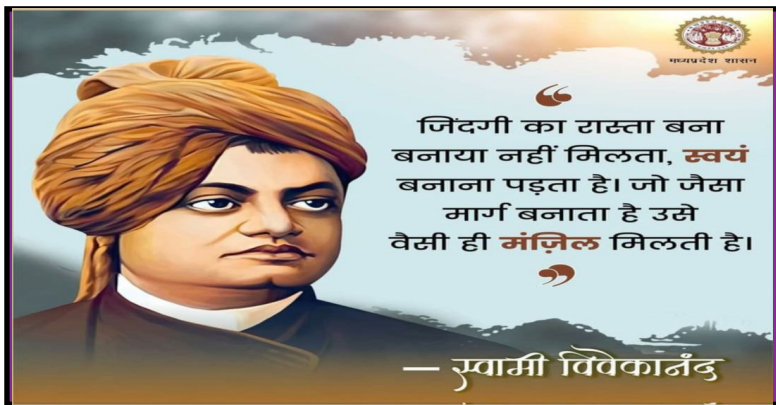




आदर्श अख़बार

आदर्श इंस्टीट्यूट ऑफ़ मैनेजमेंट एंड साइंस, AIMS धामनोद का
विद्यार्थियों के लिए एक निःशुल्क उत्कृष्ट प्रकाशन

15 दिसम्बर 2025 क्र. 16

मोदी-पुतिन मुलाकात : आम नागरिकों को क्या मिला ?

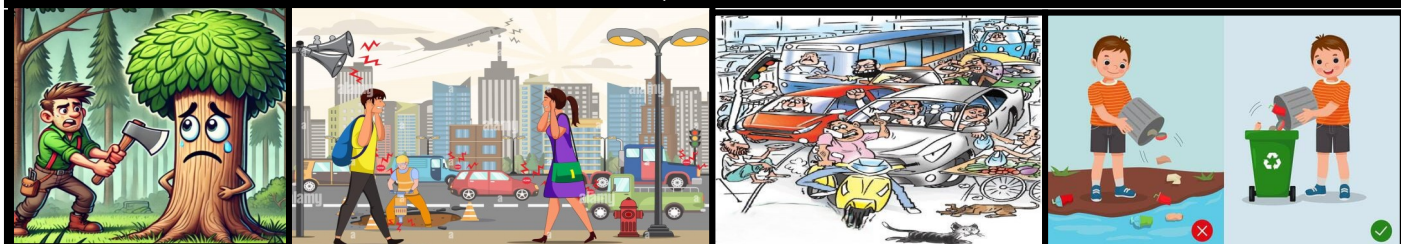


माह दिसंबर में प्रधानमंत्री मोदी और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच हुई मुलाकात। केवल एक कूटनीतिक या रणनीतिक समझौते की ही नहीं हैं।

इस मुलाकात से देशवासियों के लिए निम्न फायदे हुए हैं।

1. मेन पॉवर मोबिलिटी, दोनों देशों के नागरिक भारत और रूस में अस्थाई रूप से काम कर सकेंगे। श्रम के लेन देन का यह समझौता भारतीयों को रूस में काम करने का अवसर प्रदान करेगा।
2. दोनों देशों के स्वास्थ्य मंत्रालयों के बीच मेडिकल रिसर्च और मेडिकल शिक्षा में सहयोग को बढ़ाया जाएगा। इसके तहत मेडिकल शिक्षा में मेडिकल कॉलेज एक्सचेंज कार्यक्रम चलाएंगे। इसमें विशेष तौर पर ट्रेनिंग और रिसर्च पर फोकस किया जाएगा।
3. नई दवाएं, वैक्सीन तकनीक, कैंसर और दुर्लभ बीमारियों पर रिसर्च के अवसर भी सम्मिलित किए जाएंगे। स्मरण रहे रूस ने कैंसररोधी वैक्सीन का निर्माण किया है।
4. फूड सेफ्टी और स्टैंडर्ड अच्छे खाद्य पदार्थ उनकी गुणवत्ता और उनके उत्पादन पर दोनों देशों के बीच सहयोग बढ़ाया जाएगा।
5. भारत और रूस के उर्वरक कंपनियों के बीच समझौता, परिणामस्वरूप भारतीय किसानों को समय पर अच्छी गुणवत्ता वाला उर्वरक उपलब्ध होगा।
6. यूरिया, पोटैश, फास्फेट तथा अन्य उर्वरक इनकी उपलब्धता अब आसान होगी और भारतीय किसानों को अब उर्वरकों की कमी का सामना नहीं करना पड़ेगा।

एक विचार



जंगल मत उगाड़।

बस, पेड़ काटना बंद कर दीजिए।

जंगल स्वयं लग जाएगा।

शांति स्थापित मत कीजिए।

बस, अशांति फैलाना बंद कर दीजिए।

शांति खुद हो जाएगी।

व्यवस्था मत बनाइए।

बस, स्वयं व्यवस्थित रहिए।

व्यवस्था खुद हो जाएगी।

नदियों को साफ मत कीजिए।

बस, गंदा करना बंद कर दीजिए।

नदियां स्वयं स्वच्छ हो जाएगी।

NSS स्वच्छता अभियान



स्थान: /
धामनोद,
जिला धार
तारीख: 2
दिसंबर
2025

राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस के उपलक्ष्य में Adarsh Institute of Management and Science College, Dhamnod की NSS यूनिट द्वारा ग्राम खलघाट में नर्मदा नदी स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण एवं नदी स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा। कार्यक्रम का संचालन कॉलेज के प्राचार्य डॉ. यशपाल व्यास तथा अकादमिक इंचार्ज श्री काशीराम धनगर सर के मार्गदर्शन में हुआ। स्वच्छता कार्य में प्रशासनिक अधिकारी श्री अमित वर्मा और एंटी-गैंगिंग इंचार्ज श्री प्रमोद कुमार बामनिया ने सक्रिय भागीदारी निभाई। उनके साथ लगभग 30 NSS छात्रों ने भी पूरे उत्साह के साथ सहयोग किया। अभियान के दौरान स्वयंसेवकों ने नर्मदा नदी तट पर फैले प्लास्टिक, कचरा एवं गंदगी को साफ किया और ग्रामीणों को स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण के महत्व के बारे में जागरूक किया। अधिकारियों ने कहा कि प्राकृतिक जल स्रोतों की सुरक्षा हम सभी की साझा जिम्मेदारी है।

कॉलेज प्रशासन ने NSS यूनिट के इस सफल स्वच्छता अभियान की सराहना करते हुए भविष्य में भी ऐसे पर्यावरणीय कार्यों को जारी

महाविद्यालय में तीन दिवसीय मशरूम कल्टीवेशन कार्यशाला सम्पन्न

Adarsh Institute of Management and Science, Dhamnod के Biotechnology Department द्वारा आयोजित तीन दिवसीय Mushroom Cultivation Workshop उत्साहपूर्वक सम्पन्न हुई। 04-06 दिसंबर 2025 तक आयोजित इस मशरूम की वैज्ञानिक मूल्य और उद्यमिता गया। पहले दिन मुख्य मशरूम के वर्गीकरण, वैज्ञानिक प्रक्रिया तथा विस्तृत विशेषज्ञ व्याख्यान



कार्यशाला में विद्यार्थियों को तकनीकों, प्रजातियों, पोषण अवसरों से अवगत कराया अतिथि श्री पुष्पेंद्र कुशवाहा ने प्रमुख प्रजातियों, खेती की रोजगार संभावनाओं पर दिया। दूसरे दिन विद्यार्थियों

को प्रैक्टिकल सत्र के माध्यम से मशरूम बैग तैयार करना, सबस्ट्रेट मैनेजमेंट और उत्पादन तकनीकों का प्रशिक्षण दिया गया। तीसरे और अंतिम दिन प्रमाण-पत्र वितरण, एक्टिविटी राउंड और विद्यार्थियों के साथ इंटरैक्टिव सत्र आयोजित हुआ। कार्यक्रम की सफलता में HOD श्री पंकज स्वर्णकर, श्री प्रमोद कुमार बामनिया, तथा संकाय सदस्यों — Ms. Pallavi Prajapat, Ms. Vaishnavi Solanki, Mr. Tusharkant Rawal, Mr. Ritesh Gangle, Ms. Pooja Kushwaha, और Ms. Payal Patidar — का महत्वपूर्ण योगदान रहा। तीन दिवसीय कार्यशाला विद्यार्थियों के लिए अत्यंत ज्ञानवर्धक, प्रायोगिक और कौशल-विकासात्मक सिद्ध हुई।



सोच के फर्क से ही बनता है इंसान का व्यक्तित्व

सफल लोग

असफल लोग



विश्व :

*चक्रवात डिटवाह 26 नवंबर 2025 को बंगाल की खाड़ी में बना और 29-30 नवंबर को श्रीलंका को गंभीर रूप से प्रभावित किया, जबकि 1-2 दिसंबर 2025 को इसके प्रभाव से दक्षिण भारत में भारी बारिश हुई। श्रीलंका में बाढ़ और भूस्खलन के कारण 600 से अधिक लोगों की मौत हुई। आपदा के बाद भारत ने राहत सामग्री, दवाइयाँ और बचाव सहायता भेजकर श्रीलंका की मदद की।

देश :

चुनाव आयोग ने गुरुवार को 5 राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश (UT) में स्पेशल इंटेसिव रिवीजन (SIR यानी वोटर वेरिफिकेशन) की समयसीमा बढ़ा दी। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और अंडमान-निकोबार में 18 दिसंबर तक फॉर्म भर सकेंगे। उत्तर प्रदेश में 26 दिसंबर, गुजरात और तमिलनाडु में 14 दिसंबर तक फॉर्म भरे जा सकेंगे। पहले फॉर्म भरने की आखिरी तारीख 11 दिसंबर थी।

केंद्र ने जनगणना 2027 के लिए ₹11,718 करोड़ मंजूर किए, पहली बार डिजिटली होगा सेंसस, इसके मुताबिक एक व्यक्ति की जनगणना पर सरकार के करीब 97 रुपए खर्च होंगे।

महात्मा गांधी नेशनल रूरल एम्प्लॉयमेंट गारंटी एक्ट (MGNREGA) का नाम अब पूज्य बापू ग्रामीण रोजगार योजना होगा। शुक्रवार को केंद्रीय कैबिनेट ने एक्ट का नाम बदलने और काम के दिनों की संख्या बढ़ाने वाले बिल को मंजूरी दे दी। न्यूज एजेंसी PTI ने सूत्रों के हवाले से बताया कि काम के दिनों की संख्या 100 से बढ़ाकर 125 दिन कर दी जाएगी।

प्रदेश :

मध्य प्रदेश का लाल रंग का राजमार्ग वैश्विक पद्धति से प्रेरित है। इसका उद्देश्य जानवरों की रक्षा करना है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने 12 किलोमीटर के खंड पर 25 अंडरपास का निर्माण किया है ताकि जानवर अपने आवास को न्यूनतम रूप से प्रभावित किए बिना सड़क के नीचे सुरक्षित रूप से आवागमन कर सकें। मध्य प्रदेश में कनेक्टिविटी सुधारने और आसपास के जंगलों में वन्यजीवों की रक्षा के लिए एक चेकर हाईवे बनाया गया है। भोपाल और जबलपुर के बीच राष्ट्रीय राजमार्ग 45 का 11.96 किलोमीटर लंबा हिरन-सिंदूर खंड नौरादेही वन्यजीव अभ्यारण्य और वीरंगना दुर्गावती बाघ अभ्यारण्य से होकर गुजरता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने इस मार्ग पर 25



अंडरपास बनाए हैं ताकि जानवर अपने प्राकृतिक आवास को कम से कम नुकसान पहुंचाए बिना सड़क के नीचे से सुरक्षित रूप से गुजर सकें। हालांकि, दोनों तरफ आठ फुट ऊंची तोहे की बाड़ होने के बावजूद, राजमार्ग के कुछ हिस्से अभी भी दुर्घटनाग्रस्त रहते हैं। सड़क पर बने लाल रंग के उभरे हुए निशान चालकों को यह चेतावनी देने के लिए हैं कि वे वन्यजीवों से भरे क्षेत्र में प्रवेश कर रहे हैं, जिससे उन्हें गति धीमी करने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके। ये निशान थोड़े उभरे हुए हैं, जिससे सड़क की सतह असमान हो जाती है और वाहनों को गति कम करने के लिए मजबूर होना पड़ता है। पीले या सफेद रंग के बजाय लाल रंग को इसलिए चुना गया क्योंकि इसकी तरंगदैर्घ्य अधिक होती है और यह अधिक ध्यान आकर्षित करता है। लगभग पूरा 12 किलोमीटर का मार्ग इन लाल चेकर पैटर्न से ढका हुआ है।

सूखे इलाके में मिल रहा लाखों लोगों को पानी

राजस्थान के रेगिस्तानी बाड़मेर ने पानी की कमी को चुनौती देकर जीता राष्ट्रीय



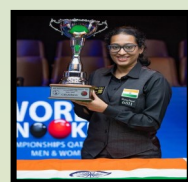
जल संचयन पुरस्कार !

बाड़मेर, यहाँ की रेतीली जमीन और कम बारिश ने हमेशा ग्रामीणों के लिए एक समस्या थी। ना नदियाँ, ना नहरें, और गर्मियों में पेयजल की कमी इतनी गहरी कि बच्चों और बुजुर्गों के लिए रोजमर्रा की जिंदगी मुश्किल हो जाती थी। बारिश का पानी, जो पहले बह जाता था, आज पूरे जिले की प्यास बुझाने का काम कर रहा है। इस मॉडल की वजह से बारिश के बाद पानी को 3-4 महीने तक गांवों में इस्तेमाल योग्य पेयजल के रूप में रखा जा सकता है। ग्रामीणों को इस अभियान में शामिल किया गया और सूखे इलाके में अब पानी हर घर तक पहुँचने लगा। जरा सोचिए - अगर देश का हर घर बारिश का पानी बचाए, तो भविष्य में जल संकट का शायद ही कोई नामोनिशान रहेगा। लेकिन IAS टीना डाबी ने इस संकट को चुनौती मानकर इसे बदलकर राष्ट्रीय जल संचयन मॉडल बना दिया। उन्होंने सोचा - क्यों न बारिश का पानी सीधे ग्रामीणों के पास सुरक्षित किया जाए? यही से आया 'टांका मॉडल'! टीना डाबी की मेहनत और नवाचार को राष्ट्रीय स्तर पर सराहा गया। बाड़मेर अब देश में जल संचयन का राष्ट्रीय मॉडल बन चुका है। दिसंबर 2024 तक पूरे जिले में वर्षा जल संचयन की मुहिम के तहत 87,000+ पानी की टंकियाँ बनवाई गईं। छतों पर बारिश का पानी सहेजा गया। पुरानी झीलों, तालाबों और बावड़ियों को पुनर्जीवित किया गया।

खेल समाचार :

* भारतीय क्रिकेट के स्टार क्रिकेटर रोहित शर्मा और विराट कोहली बने ODI क्रिकेट रैंकिंग में नं. 1 और नं. 2 खिलाड़ी।

* अनुपमा रामचंद्रन बनी भारत की पहली महिला स्नूकर वर्ल्ड चैंपियन। पंकज आडवाणी ने 2025 एशियाई स्नूकर चैंपियनशिप का पुरुष खिताब जीता, जहाँ उन्होंने फाइनल में ईरान के अमीर सरकोश को 4-1 से हराया।



* दिसंबर 2025 में भारतीय स्क्वैश टीम ने इतिहास रचते हुए पहली बार स्क्वैश वर्ल्ड कप जीता है। चेन्नई के एक्सप्रेस एवेन्यू मॉल में आयोजित फाइनल में भारत ने शीर्ष वरीय हांगकांग को 3-0 से हराया और यह खिताब अपने नाम किया। मुख्य तथ्य यह है, क्योंकि भारत के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, क्योंकि भारत स्क्वैश वर्ल्ड कप जीतने वाला पहला एशियाई देश बन निभाई। 17 वर्षीय अनाहत सिंह ने टोमेटो हो को 3-0 से हराकर भारत की जीत को औपचारिक रूप से सुनिश्चित किया। जोशना चिनप्पा और अभय सिंह जैसे अनुभवी खिलाड़ियों ने भी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई।

* सिर्फ 9 साल की उम्र में फरीदाबाद की छोटी रेसर अर्शी गुप्ता ने Micro Max Class में लड़कों और लड़कियों-दोनों को हराकर FMSCI Rotax Max National Karting Championship जीत ली और भारत की पहली महिला कार्टिंग चैंपियन बनकर इतिहास रच दिया।



जीवन परिचय : श्रीनिवास रामानुजन

श्रीनिवास रामानुजन भारत के महान गणितज्ञ थे, जिनका जन्म 22 दिसंबर 1887 को तमिलनाडु के एरोड में हुआ था। उन्होंने अपने जीवनकाल में गणित के क्षेत्र में अनगिनत योगदान दिए, विशेषकर संख्या सिद्धांत, अनंत श्रृंखला, निरंतर भिन्न और विभाजन समारोह में।

शिक्षा और प्रारंभिक जीवन- रामानुजन

बचपन से ही गणित में असाधारण प्रतिभा के धनी थे। उन्होंने अपनी पढ़ाई कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय में की और गणित के कई नए सिद्धांतों की खोज की। उन्होंने बिना औपचारिक शिक्षा के लगभग 3900 गणितीय प्रमेय लिखे।



कैरियर और उपलब्धियाँ- 1913 में उन्होंने अंग्रेज गणितज्ञ प्रो. जी. एच. हार्डी के साथ संपर्क किया, जिसके बाद वे कैम्ब्रिज जाकर शोध करने लगे। उन्हें 1918 में रॉयल सोसाइटी का सदस्य बनाया गया, जो उनकी प्रतिभा का सर्वोच्च सम्मान था। इनके शोध कार्यों ने दुनिया भर में गणितज्ञों को प्रभावित किया और आज भी उन पर शोध किया जाता है।

व्यक्तिगत जीवन और मृत्यु- उनकी शादी 1909 में जानकी देवी से हुई थी। इंग्लैंड में रहते समय उन्हें बीमारी हो गई, जिसके कारण वे 1919 में भारत लौटे और 26 अप्रैल 1920 को उनका निधन हो गया। उन्होंने अपने जीवनकाल में गणित के क्षेत्र में अमिट छाप छोड़ी और आज भी उन्हें "गणित का जादूगर" कहा जाता है।

रामानुजन की जीवनी उनकी असाधारण प्रतिभा, संघर्ष और दृढ़ संकल्प की कहानी है, जो आज भी छात्रों और गणितज्ञों के लिए प्रेरणा है। भारत सरकार ने 2012 में रामानुजन की 125वीं जयंती पर इस दिन को राष्ट्रीय गणित दिवस घोषित किया था।

प्राचीन भारत की प्रमुख पुस्तकें एवं उनके लेखक

- रामायण - वाल्मीक
- महाभारत - वेदव्यास
- अष्टाध्यायी - पाणिनी
- अर्थशास्त्र - चाणक्य
- महाभाष्य - पतंजलि
- सत्सहस्रारिका सूत्र - नागार्जुन
- बुद्धचरित - अश्वघोष
- सौंदरानन्द - अश्वघोष
- महाविभाषाशास्त्र - वसुमित्र
- स्वप्नवासवदत्ता - भास
- कामसूत्र - वात्स्यायन
- कुमारसंभवम् - कालिदास
- अभिज्ञानशकुंतलम् - कालिदास
- विक्रमोर्वशीयां - कालिदास
- मेघदूत - कालिदास
- रघुवंशम् - कालिदास
- मालविकाग्निमित्रम् - कालिदास
- नाट्यशास्त्र - भरतमुनि
- देवीचंद्रगुप्तम् - विशाखदत्त
- मुद्राराक्षस - विशाखदत्त
- मृच्छकटिकम् - शूद्रक
- सूर्य सिद्धान्त - आर्यभट्ट
- बृहत्सिंता - बरामिहिर
- पंचतंत्र - विष्णु शर्मा
- कथासरित्सागर - सोमदेव

- अभिधम्मकोश - वसुबन्धु
- रावणवध - भट्टि
- किरातार्जुनीयम् - भारवि
- दशकुमारचरितम् - दंडी
- हर्षचरित - वाणभट्ट
- कादंबरी - वाणभट्ट
- वासवदत्ता - सुबन्धु
- नागानन्द - हर्षवधन
- रत्नावली - हर्षवर्धन
- प्रियदर्शिका - हर्षवर्धन
- मालतीमाधव - भवभूति
- कर्पूरमंजरी - राजशेखर
- काव्यमीमांसा - राजशेखर
- नवसहस्रांक चरित - पदम् गुप्त
- शब्दानुशासन - राजभोज
- बृहत्कथामंजरी - क्षेमेन्द्र
- नैषधचरितम् - श्रीहर्ष
- विक्रमांकदेवचरित - बिल्हण
- कुमारपालचरित - हेमचन्द्र
- राजतरंगिणी - कल्हण
- रासमाला - सोमेश्वर
- शिशुपाल वध - माघ
- पृथ्वीराज विजय - जयानक
- पृथ्वीराजरासो - चंदरवरदाई
- गीतगोविन्द - जयदेव

राज्य परिचय : गुजरात

भौगोलिक स्थिति : गुजरात भारत के पश्चिमी तट पर स्थित एक महत्वपूर्ण और समृद्ध राज्य है। इसकी ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, आर्थिक और भौगोलिक दृष्टि से विशेष पहचान है। गुजरात अपनी प्राचीन सभ्यता, व्यापार, उद्योग, समुद्री तट, धार्मिक स्थलों और महान नेताओं के लिए प्रसिद्ध है।
गठन तिथि: 1 मई 1960

गठन का आधार: बंबई राज्य का भाषा के आधार पर गुजरात और महाराष्ट्र में विभाजन
राजधानी: गांधीनगरभौगोलिक स्थिति (Geographical Location)

स्थान: भारत के पश्चिमी तट पर

सीमाएँ: उत्तर में राजस्थान पूर्व में मध्य प्रदेश दक्षिण में महाराष्ट्र पश्चिम में अरब सागर

विशेषताएँ: कच्छ का रण (दुनिया का सबसे बड़ा नमक का रेगिस्तान)

लम्बा समुद्री तट (1600+ किमी)

जलवायु (Climate)- उष्ण एवं शुष्क जलवायु गर्मियों में अत्यधिक गर्मी सर्दियों में सुहावना

मौसम कच्छ और सौराष्ट्र में कम वर्षा।

इतिहास (History)- सिंधु घाटी सभ्यता का प्रमुख क्षेत्र – लोथल (प्राचीन बंदरगाह) मुगल और मराठा शासन महात्मा गांधी का जन्म (पोरबंदर) स्वतंत्रता आंदोलन का केंद्र (साबरमती आश्रम)

1960 में गुजरात राज्य का गठन संस्कृति व त्योहार (Culture & Festivals) गुजरात की संस्कृति रंगीन, जीवंत और लोकसंगीत व नृत्य से भरपूर है।

प्रमुख त्योहार: नवरात्रि (गरबा और डांडिया रास), उत्तरायण (पतंगोत्सव), दीवाली, जन्माष्टमी (द्वारका में भव्य), रण उत्सव (कच्छ)

पारंपरिक नृत्य: गरबा, डांडिया

पारंपरिक भोजन: ढोकला, खांडवी, थेपला, फाफड़ा, उंधियू।

अर्थव्यवस्था - गुजरात भारत का सबसे तेजी से विकसित होने वाले राज्यों में से एक है।

मुख्य विशेषताएँ :-पेट्रोकेमिकल्स, रिफाइनरी, टेक्सटाइल और हीरा उद्योग एशिया की सबसे बड़ी डायमंड कटिंग इंडस्ट्री (सूरत)।

व्यापार और निर्यात में अग्रणी - कृषि में कपास, मूंगफली, तिल, बाजरा, गेहूँ का उत्पादन

भारत के प्रमुख समुद्री बंदरगाह – कांडला, मुंद्रा

गुजरात के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल: सोमनाथ मंदिर, द्वारका और द्वारकाधीश मंदिर, स्टैच्यू ऑफ यूनिटी (सरदार पटेल) - दुनिया की सबसे ऊँची प्रतिमा, कच्छ का रण, साबरमती आश्रम, गिर

राष्ट्रीय उद्यान (एशियाई शेर), मोढेरा सूर्य मंदिर, लोटी (लोथल – पुरातात्विक स्थल)

राज्य पक्षी: ग्रेटर फ्लेमिंगो

राज्य पशु: एशियाई सिंह

राज्य वृक्ष: बरगद

राज्य फूल: गेंदा

गुजरात भारत का एक प्रगतिशील, समृद्ध और सांस्कृतिक रूप से महत्वपूर्ण राज्य है। यह इतिहास, व्यापार, पर्यटन और आधुनिक विकास का अनोखा संगम प्रस्तुत करता है। गुजरात आज देश के आर्थिक विकास और औद्योगिकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

जब लगे 'मैं नहीं कर पाऊँगा'

जब लगे 'मैं नहीं कर पाऊँगा'... रुकिए! यही वो पल है जब आप खुद को साबित कर सकते हैं।

- सीमाएँ दिमाग की हैं, असल नहीं : जो बंदिशें आप महसूस करते हैं, वो 90% सोच की उपज हैं। "नहीं" को "हाँ" में बदलिए!
- आपमें है अद्भुत शक्ति : एक बार यकीन कर लें, तो मुश्किलें पहाड़ भी आपके आगे झुकेंगी।
- छोटे कदम, बड़े बदलाव : रोज़ एक कदम... संकल्प और लगन से, असंभव को संभव बनाएँ।
- समय है साथी : धैर्य रखें। ज़िंदगी उन्हें जरूर रिवाँड देती है, जो हारने से पहले जीतना नहीं छोड़ते।



'मैं कर सकता/सकती हूँ!' यही विश्वास आपको उस मुकाम तक ले जाएगा, जहाँ आपका इंतज़ार हो रहा है।

क्रोध

एक व्यक्ति को छोटी-छोटी बातों पर बहुत गुस्सा आ जाता था। घर, काम और रिश्तों में उसका यह स्वभाव सबको परेशान करता था। लोग धीरे-धीरे उससे दूरी बनाने लगे। वह सोचता – "क्यों कोई मुझसे प्यार नहीं करता?"

एक दिन एक बुजुर्ग ने उसे समझाया। उन्होंने उसे एक लकड़ी का तख्ता और कीलें दीं। कहा – "जब भी गुस्सा आए, इसमें एक कील ठोक देना।" कुछ ही दिनों में तख्ता कीलों से भर गया। वह व्यक्ति हैरान हुआ कि उसे कितनी बार गुस्सा आता है। फिर बुजुर्ग बोले – "अब कोशिश करो कि जब भी गुस्सा आए, धैर्य रखो। हर बार धैर्य से काम लो तो एक कील निकाल देना।"



धीरे-धीरे उसने अपने गुस्से पर काबू पाना शुरू किया। समय के साथ सारी कीलें निकल गईं। लेकिन तख्ते पर गहरे निशान रह गए थे। बुजुर्ग ने कहा – "गुस्सा खत्म हो सकता है, लेकिन उसके छोड़े हुए घाव हमेशा रह जाते हैं। धैर्य ही तुम्हारी असली ताकत है, गुस्सा तुम्हारी कमजोरी।"

उस दिन से उसने संकल्प लिया कि जीवन में धैर्य को हथियार बनाएगा। उसका स्वभाव बदल गया, रिश्ते सुधर गए और लोग फिर से उसके करीब आने लगे।

हिंदी शब्दार्थ

BASIC ENGLISH VS ADVANCED

1. उन्मुक्त-स्वतंत्र
2. पुलकित-प्रसन्न
3. फुनगी-पेड़ की शाखा
4. विघ्न-बाधा, रुकावट
5. कनक-सोना
6. कटुक-कड़वा
7. आकुल-बेचैन
8. आश्रय-ठिकाना
9. स्वयं ही-खुद ही
10. भीरू-डरपोक

Words

Meanings

Risky

Perilous

Plague

Epidemic

Approve

Ratify

Taciturn

Saying little

Insolvent

Destitute

Novice

Tyro

Ecstasy

Elation

Flippant

Impudent

Imminent

Brewing

Boorishness

Ill-mannered

Compress

Shrink

80 साल बाद घर लौटा इस जंगल का बादशाह

ओरेगन में वन्यजीवों की संख्या में एक बड़ी और अच्छी सफलता देखने को मिली है। राज्य के दुर्लभ और खतरे में पड़े शिकारी जानवरों की आबादी 80 सालों में पहली बार 200 के पार चली गई है। द बुलेटिन के मुताबिक, यह उस प्रजाति के लिए एक बड़ा कदम है जो 19वीं सदी में इंसानों द्वारा किए गए शिकार के कारण लगभग खत्म हो गई थी। जैसे-जैसे इनकी संख्या बढ़ रही है वैसे-वैसे यह उम्मीद भी बढ़ रही है कि यह शिकारी जीव ओरेगन के जंगलों में आगे भी पनपता रहेगा।



दशावतार - तृतीय, वराह अवतार



वराहावतार भगवान विष्णु के अवतार हैं। जब-जब धरती पापी लोगों से कष्ट पाती है तब-तब भगवान विविध रूप धारण कर इसके दुःख दूर करते हैं। दैत्य हिरण्याक्ष ने जब पृथ्वी को जल में डुबो दिया था तब भगवान विष्णु ने वराह अवतार लेकर पृथ्वी का कल्याण किया था। यह बुराई के अंत और पृथ्वी के उद्धार का प्रतीक है,

ऐसी मान्यता है, कि हिरण्याक्ष ने पृथ्वी को उठाकर समुद्र में डुबो दिया, तब भगवान विष्णु ने सूअर (वराह) का रूप धारण किया, अपनी दाढ़ों (शूथनी) से पृथ्वी का पता लगाया, समुद्र में जाकर हिरण्याक्ष से भीषण युद्ध किया और उसका वध करके पृथ्वी को अपने दाँतों पर उठाकर वापस स्थापित किया, जिससे धर्म की रक्षा हुई और सृष्टि का संतुलन बना।

इस अवतार का स्मरण भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को 'वराह जयंती' के रूप में प्रतिवर्ष अगस्त-सितंबर माह में किया जाता है।

~ साभार - स.प्र. पूजा कुशवाह, रसायन शास्त्र विभाग

THINKING STYLES



ANALYTICAL

Likes examining information



CREATIVE

Full of new ideas



CRITICAL

Evaluates pros and cons



STRATEGIC

Plans long-term



PRAGMATIC

Stays realistic and practical



LATERAL THINKER

Looks at problems in new ways



BIG-PICTURE

Focuses on the big view



DETAIL-ORIENTED

Notices small particulars



INTUITIVE

Relies on gut feelings

हमारी संस्कृति



वाराणसी में 19 साल के देवव्रत महेश रेखे (Devavrat Mahesh Rekhe) ने 200 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा है, जब उन्होंने शुक्ल यजुर्वेद के लगभग 2000 मंत्रों का अत्यंत कठिन "दंडक्रम पारायण" बिना किसी त्रुटि के पूरा किया, जो पिछले दो सदियों से किसी से नहीं हुआ था और यह उपलब्धि भारत की प्राचीन मौखिक परंपरा और युवा पीढ़ी की क्षमता का प्रमाण है।

मुख्य बातें:

उपलब्धि: देवव्रत ने 50 दिनों तक लगातार बिना देखे और बिना किसी गलती के लगभग 2000 मंत्रों का 'दंडक्रम पारायण' किया, जिसमें हर मंत्र को 11 अलग-अलग क्रमों में दोहराया जाता है।

ऐतिहासिक महत्व: यह माना जाता है कि यह कठिन वैदिक

पाठ लगभग 200 साल पहले नासिक के वेदमूर्ति नारायण शास्त्री देव ने किया था, और तब से यह किसी ने नहीं किया था। प्रशंसा: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी उन्हें बधाई दी और इसे भारतीय संस्कृति की जीवंत परंपरा का बेहतरीन उदाहरण बताया।

कठिनाई: 'दंडक्रम पारायण' बहुत कठिन होता है, जिसमें करोड़ों शब्दों और लाखों पदों का पाठ शुद्धता और एकाग्रता के साथ करना होता है, जरा सी गलती भी पूरे प्रयास को विफल कर सकती है।

देवव्रत कौन हैं: महाराष्ट्र के रहने वाले देवव्रत ने छोटी उम्र से ही वेदों का अध्ययन शुरू किया और अपने पिता को अपना पहला गुरु मानते हैं, जिन्होंने उन्हें इस तपस्या में सहयोग दिया।

संपादन मंडल :

Patron - Dr. R. K. Patidar
Director, AIMS

Prof. Yashpal Vyas Ph. D.
Principal, AIMS

Asst. Prof. Priyanka Tiwari
Dept. of History, AIMS

Asst. Prof. Rani Sharma
Dept. of Computer Sc., AIMS

Asst. Prof. Neha Verma
Dept. of Botany, AIMS

Contributors:
Asst. Prof. Pankaj Swarnakar
Dept. of Biotechnology, AIMS

Asst. Prof. Pramod Bamanian
Dept. of Zoology, AIMS